



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 131]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 28, 2001/फाल्गुन 9, 1922

No. 131]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 28, 2001/PHALGUNA 9, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड)

अधिसूचना

सं. 45/2001

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2001

आय-कर

**का.आ. 179 (अ).—**केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (दूसरा संशोधन) नियम, 2001 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2002 से लागू होंगे और तदनुसार निर्धारण वर्ष 2002-2003 तथा पश्चात् वर्षों को लागू होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में नियम 7 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“7क. रबड़ के विनिर्माण से आय.—(1) भारत में क्रेता द्वारा उगाए गए रबड़ के पौधों से सेन्ट्रीफ्यूज्ड लेटेक्स या सेनेक्स के विक्रय से प्राप्त आय की संगणना इस प्रकार की जाएगी मानो यह कारबार से प्राप्त आय हो, और आय के पैंतीस प्रतिशत को कर से दायी आय समझा जाएगा।

(2) ऐसी आय की संगणना करते समय, ऐसे पौधों के स्थान पर जो सूख गए हैं या पहले से लगाए गए क्षेत्र में स्थायी

रूप से बेकार हो गए हैं, लगाए जाने वाले रबड़ के पौधों की लागत के संबंध में मोक दिया जाएगा, यदि ऐसे क्षेत्र को पहले से ही छोड़ने दिया गया हो और ऐसी लागत के अवधारण के प्रयोजन के लिए किसी सहायिकी की राशि की बाबत कोई कटौती नहीं की जाएगी जो धारा 10 के खंड (31) के उपबंधों के अधीन हैं, कुल आय में सम्मिलित नहीं की जा सकेगी।

7ख. काफ़ी के विनिर्माण से आय.—(1) चिकोरी या अन्य सुरुचिक संघटकों को मिश्रित करके या मिश्रित किए बिना भारत में क्रेता द्वारा उगाई गई और विनिर्मित काफ़ी के विक्रय से प्राप्त आय की संगणना इस प्रकार की जाएगी मानो यह कारबार से प्राप्त थी, और ऐसी आय के चालीस प्रतिशत को कर से दायी आय समझा जाएगा।

(2) ऐसी आय की संगणना करते समय, ऐसे पौधों के स्थान पर जो सूख गए हैं या पहले से लगाए गए क्षेत्र में स्थायी रूप से बेकार हो गए हैं, लगाए जाने वाले रबड़ के पौधों की लागत के संबंध में मोक दिया जाएगा, यदि ऐसे क्षेत्र को पहले से ही छोड़ने दिया गया हो और ऐसी लागत के अवधारण के प्रयोजन के लिए किसी सहायिकी की राशि की बाबत कोई कटौती नहीं की जाएगी जो धारा 10 के खंड (31) के उपबंधों के अधीन हैं, कुल आय में सम्मिलित नहीं की जा सकेगी।”

[फा. सं. 153/87/2000-टीपीएल]

राहुल नवीन, अवर सचिव

**टिप्पण :** मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ) तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन का.आ. 85(अ) तारीख 31-1-2001 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)****NOTIFICATION****No. 45/2001**

New Delhi, the 28th-February, 2001

**INCOME-TAX**

**S.O.179 (E).**— In exercise of the powers conferred by Section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (2nd Amendment) Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 2002 and shall, accordingly, apply to assessment year 2002-2003 and subsequent years.

2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 7, the following rules shall be inserted, namely:—

“7A. Income from the manufacture of rubber.—

(1) Income derived from the sale of centrifuged latex or cenex manufactured from rubber plants grown by the seller in India shall be computed as if it were income derived from business, and thirty-five per cent of such income shall be deemed to be income liable to tax.

(2) In computing such income, an allowance shall be made in respect of the cost of planting rub-

ber plants in replacement of plants that have died or become permanently useless in an area already planted, if such area has not previously been abandoned, and for the purpose of determining such cost, no deduction shall be made in respect of the amount of any subsidy which, under the provisions of clause (31) of section 10, is not includible in the total income.

7B. Income from the manufacture of coffee.—

(1) Income derived from the sale of coffee grown and manufactured by the seller in India, with or without mixing of chicory or other flavouring ingredients, shall be computed as if it were income derived from business, and forty per cent of such income shall be deemed to be income liable to tax.

(2) In computing such income, an allowance shall be made in respect of the cost of planting coffee plants in replacement of plants that have died or become permanently useless in an area already planted, if such area has not previously been abandoned, and for the purpose of determining such cost, no deduction shall be made in respect of the amount of any subsidy which, under the provisions of clause (31) of section 10, is not includible in the total income.”.

[F.No. 153/87/2000-TPL]

RAHUL NAVIN, Under Secy.

**Note :** The principal rules were published *vide* notification number S.O. 969(E), dated the 26th March, 1962 and were last amended *vide* S.O. 85(E), dated 31-1-2001.